श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

द्वितीय वर्ष - अभ्यास - ४

सप्टेंबर - 2022
गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगे, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो - २०

१. मुक्ति सुख की प्राप्ति कराने की ताकत जिस..... में है उससे प्रचंड पुण्य की प्राप्ति तो सहज है ।
२. तीर्थंकर परमात्मा के समय में वज्रऋषभनाराच संघयण वालों को ही ..... सम्यकत्व होता है ।
३. इस संसार के प्रवाह के ..... श्री अजीतनाथस्वामी को मैं प्रणाम करता हूं ।
४. इस परिग्रह ने तुझे ..... बनाया है इसे तू पहचान ले ।
५. अधिष्ठायक देवों के नाम से ही ..... नाम रखे गये हैं ।
६. इर्ष्या आदि के कारण ..... में भी दुःख है ।
७. हस्तिनापुर के प्रथम राजा के पीछे बत्तीस हजार ..... राजा चलने वाले है ।
८. धुरंधर विद्वान ऐसे ..... को एक वस्तु गले के नीचे नहीं उतर रही थी की जीव यही शरीर है या शरीर यही जीव है ।
९. हमारे देश के चोर, लुटेरे व हत्यारे भी ..... के महान रक्षक एंव आराधक थे ।
१०. प्रदक्षिणा देते हुए ..... की तरह चार रुपों से वीतराग का चिंतन करना ।
११. क्षायोपशमिक सम्यकत्व का ही एक भेद ..... सम्यक्त्व है ।
१२. परिग्रह को प्राप्त करने व सम्भालने में तूने किये पाप तेरा सत्यानश करके तुझे ..... में भेज देते हैं ।
१३. "विज्ञानधन ऐ वैतेम्यो भूतेभ्यः" इस पद का अर्थ भी ..... को जिस तरह समझाया था उसी तरह वायुभूति को समझाया ।
१४. हरेक कमल पर एक एक कर्णिका और उसकी उपर ..... है ।
१५. सम्यक्त्व, मिश्र और मिथ्यात्व मोहनीय ये तीनो कर्म आत्मा के ..... गुण का हनन करते हैं ।
१६. व्रती श्रावक पराया विवाह जोडे तो उसे ..... नामक अतिचार लगता है ।
१७. देवकुरु और उत्तरकुरु ये ..... भूमि हैं ।
१८. तीन दिशाओं में ..... के नाम के बिंब बनाकर प्रायः स्थापित किये जाते हैं ।
१९ सुखपूर्वक जाग सकें ऐसी निद्रा लाकर ..... को ढँकने वाला कर्म निद्रा दर्शनावरणीय कर्म ।
२०. श्री जिनपूजा करने पर पुष्पमाला चढाने पर ..... लाभ है ।

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो - १५

१. विवेकी पुरुषों ने कलिष्टावासरुप किसे कहा है ?
२. अकर्मभूमि कौन सा क्षेत्र कहलाता है ?
३. कौन सी निद्रावाले को अर्ध-चक्रवर्ती से आधा बल होता है ?
४. इंद्र की ऋद्धि देखकर किसका अभिमान उतर गया ?
५. किस आत्मा को संयमित आत्मा वाले साधु पुरुष देख सकते हैं ?
६. किस कर्म के उदय से एकेन्द्रिय, द्वीइन्द्रिय और तेइन्द्रिय को मूल से चक्षु नहीं होते ?
७. देवदुंदुभि के शब्दो से भी अतिशय मधुर कल्याणकारी वाणी बोलने वाले कौन हैं ?
८. अपने उच्च शील धर्म के कारण गृहस्थ भी किसके समान माना जाता है ?
९. जीव को प्रथम किस सम्यकत्व की प्राप्ति होती है ?
१०. श्री वायुभूति गणधर कौनसे संस्थान के धारक थें ?
११. मूलनायक के दर्शन करते समय किस तरह प्रणाम करे ?
१२. केवलज्ञान के अगाध सागर में से किसकी गंगा प्रवाहित हुई ?
१३. परिग्रह परिमाण व्रत को हम अपने जीवन में लाकर क्या सरल बना सकते हैं ?
१४. शीलव्रत के पालन के लिये किनकी आराधना करनी चाहिये ?
१५. पापतत्व में किस प्रवृति का उदय रहता है ?

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो - १०

१. मिच्छतं २) खित्त ३) वियड्ढ ४) विदेह ५) विविक्त ६) चंकमओ ७) रुअग ८) वई ९ नांर्हिणा १०) खग्ग ११) सद्दहइ
१२. संतिण्णं १३) अनंग १४) दिट्ठि १५) सव १६) विचित्त १७) गिरं १८) उवचिय १९) स्वदार २०) खइगा

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) उपशम	१) धर्मव्यवस्था	६) श्रावस्ती	६) शंका
२) अभिमान	२) नीलवंत	७) निषध	७) उपद्रव
३) जवाहरात	३) हस्तिनापुर	८) प्रमार्जना	८) परिच्छेद
४) राज्यव्यवस्था	४) संलेषणा	९) राजगृही	९) वैराग्य
५) शृंगार	५) मोरपींछ	१०) आकांक्षा	१०) दंतुशूल

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. सौधर्मेन्द्र ने अपनी दैनिक ऋद्धि की विकुर्वणा में प्रत्येक हाथी के कितने मस्तक बनाये ।
२. सम्यक्त्व के मुख्य भेद कितने ?
३. शांतिनाथ भगवान चक्रवर्तीपने में कितने रथ के स्वामी थे ?
४. दीर्घ वैताढय पर्वत कितने हैं ?
५. परमात्मा के दर्शन पर कितने उपवास का लाभ होता है ?
६. धान्य कितने प्रकार का होता है ?
७. श्री वायुभूति गणधर का केवली पर्याय कितने वर्ष का था ?
८. रम्यक क्षेत्र का प्रमाण कितने योजन है ?
९. संवर तत्व के भेद कितने ?
१०. परिग्रह कितने प्रकार से प्रमाण किया हुआ है ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. क्षायोपशमिक सम्यक्त्व का एक भेद सास्वादन सम्यक्त्व है ।
२. इस शीलव्रत में भी संतोष महत्व की भूमिका निभाता है ।
३. महाविदेह के उत्तर में भरत क्षेत्र है ।
४. एक एक कर्णिका में बत्तीस नाटकों के साथ गीत गान हो रहे थे ।
५. मोहराजा का विश्रांती स्थल परिग्रह है ।
६. सौम्याकार सुन्दर रुप वाले श्री अजितनाथ भगवान है ।
७. मिश्र मोहनीय के उदय में जीव कुदेव आदि में श्रद्धा करवाता है ।
८. श्री वायुभूति जीव का अस्तित्व तो मानते है, परतु जीव शरीर को अलग अलग नहीं मानते ।
९. मंदिर के द्वार के आगे के सोपान पर स्त्री अथवा पुरुष ने बांया पैर रखकर ही उपर चढना ।
१०. जंबुद्वीप में कुल सात वासक्षेत्र हैं ।

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. जहाँ संतोष है वहां ही सुख है जहाँ असंतोष है वहां ही दुःख है ।
२. आयुष्य पूर्ण होने पर जीव पाँचो गतिओं में जाने वाले होते हैं ।
३. मनुष्य भव में ही पा सकते हैं, ऐसा यह सम्यक्त्व आने के पश्चात कभी वापस जाता नहीं इससे सादि अनंत है ।
४. जिनके शिष्य मेरे बडे भाई इंद्रभूति व अग्निभूति हुए हैं, वो मुझे भी पूज्य है ।
५. सात व्यसन में जिनका समावेश होता हो ऐसे किसी होटल, कंपनी, मिल इत्यादि के शेयर नहीं लूंगा ।
६. भक्ति से उल्लसित मन से एकाग्र चित्त से देवाधिदेव के दर्शन कर धन्यता का अनुभव करे ।
७. यह सम्यग् दर्शन तीर्थंकर परमात्मा के समय में वज्रऋषभनाराच संघयण वालों को ही होता है ।
८. परायी स्त्री का विवर्जन करना इस तरह शीलव्रत जानना ।
९. मैं तीर्थस्थानों में ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करुंगा ।
१०. ज्यादा नींद लेने से भी दर्शनावरणीय कर्म का बंध होता है ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. वेदनीय कर्म २) परिग्रह परिमाण व्रत के अतिचार ३) वायुभूति की शंका और प्रभु का समाधान
४. मंदिर में जाने की विधी ५) वेदक सम्यक्त्व ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com